

ont>

12.31 hrs.

Title: Regarding law and order situation in the state of Bihar.

श्री प्रमुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं एक बहुत ही गंभीर सवाल आपके सामने रख रहा हूँ। 13 वॉ से बिहार में राष्ट्रीय जनता दल की सरकार चल रही है। आज उसकी सहयोगी पार्टी कांग्रेस है जो बिहार में सरकार चलाती है। कल दिन के साढ़े दस बजे पुनपुन में समता पार्टी के अध्यक्ष श्री कामेश्वर सिंह की हत्या राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 83 पर कर दी गयी। जिस जगह पर हत्या की गई, वहां पहले भी तीन-चार हत्याएं हुई थीं। हमारी पार्टी के अध्यक्ष स्वर्गीय कामेश्वर सिंह बराबर इन हत्याओं का विरोध किया करते थे। वहां जान-बूझकर एक साजिश के तहत राजनीतिक हत्या कराई गयी है। बिहार में लगभग एक हजार से ज्यादा राजनीतिक कार्यकर्ताओं की हत्याएँ हुईं और उन कार्यकर्ताओं की हत्याएँ हुईं जो सरकार के विरुद्ध काम करते थे। बिहार में बिल्कुल अराजक स्थिति बनी हुई है। **â€¦(व्यवधान)**

श्रीमती कान्ति सिंह (बिक्रमगंज) : अध्यक्ष महोदय, यह गलत है। **â€¦(व्यवधान)** यह हम पर आरोप लगा रहे हैं। **â€¦(व्यवधान)**

श्री प्रमुनाथ सिंह : आज ही बिहार में बिल्कुल अराजक स्थिति बनी हुई है। आज दिन के साढ़े दस बजे

* Not Recorded

बिहार के किरड़ा केकोाध्यक्ष आनंद हैं, उनको भी गोली दस बजकर 50 मिनट पर लगी **â€¦(व्यवधान)** जिसके अध्यक्ष श्री कीर्ति आजाद सामने बैठे हुए हैं। **â€¦(व्यवधान)** बिहार में तीन वॉ में साढ़े तीन लाख से ज्यादा संगीन अपराध की घटनाएँ घटी हैं जिसमें हत्या की 10 हजार से ज्यादा घटनाएँ हैं और साढ़े तीन हजार से ज्यादा डकैती की घटनाएँ, छः हजार से ज्यादा लूट की घटनाएँ, पांच हजार से ज्यादा अपहरण की घटनाएँ घटी हैं। अगर सरकारी आंकड़ों को ही मान लिया जाये तो चार सैंकिड पर एक संगीन अपराध होता है। दो घंटे पर एक हत्या की घटना होती है, तीन घंटे में फिरौती की घटना और छः घंटे पर एक बलात्कार की घटना होती है। **â€¦(व्यवधान)** सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि अपहरण की जो घटना घटती है उनमें अपहरणकर्ता तभी छूटता है जब **â€¦(व्यवधान)** * 75 ऐसे अपहरण के मामले हुए हैं। मैं कुछ नाम आपको बताना चाहूंगा। श्री अशोक कांत, छायाकर हिन्दुस्तान का था, श्री जानकी सिंह, जो श्री प्रदीप दास विधायक का भतीजा था, डाक्टर भरत सिंह **â€¦(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: Shri Prabhunath Singh, please conclude now.

...(Interruptions)

SHRIMATI SHYAMA SINGH (AURANGABAD, BIHAR): Sir, he is a Member of the Upper House. How can he take his name in this House?...**(Interruptions)**

MR. SPEAKER: Whatever is unparliamentary, I will remove it from the proceedings.

...(Interruptions)

श्री प्रमुनाथ सिंह : श्री अश्विनी गुप्ता, उद्योगपति, श्री सलेश कुमार, उद्योगपति, पटना, श्री तुलसी राम अग्रवाल, विराट नगर, नेपाल का व्यवसायी था। श्री रमेश आदि **â€¦(व्यवधान)**

MR. SPEAKER: I will remove the objectionable words from the records

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : इन्होंने जो मुख्यमंत्री के बारे में कहा है, मैं उसे हटा दूंगा।

...(व्यवधान)

श्री प्रमुनाथ सिंह : **â€¦(व्यवधान)** वहां के तत्कालीन डी.जी.पी. ने अखबारों में बयान दिया है। **â€¦(व्यवधान)** उन्होंने कहा है कि कौरवों की चीरहरण सेना में बैठे हुए हम महायोद्धा हैं। **â€¦(व्यवधान)**

• Expunged as ordred by the Chair

अध्यक्ष महोदय : आप अब कम्पलीट कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री प्रमुनाथ सिंह : वहां के तत्कालीन डी.जी.पी. ने कहा कि कौरवों की महासेना में बैठे हुए हम महायोद्धा हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब अमरीका ओसामा बिन लादेन को नहीं पकड़ सका तो बिहार की पुलिस साल्तान मियां को कैसे पकड़ सकती है। **â€¦(व्यवधान)** जहां का डी.जी.पी. इस ढंग से अखबारों में बयान दे, मीडिया के माध्यम से बयान दे, तो ऐसी स्थिति में बिहार सरकार को रहने का कोई अधिकार नहीं बनता। हम केन्द्र सरकार से मांग करेंगे। **â€¦(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय, हम एक और जानकारी आपको देना चाहते हैं।

â€¦(व्यवधान) हम आपसे निवेदन करना चाहते हैं कि बिहार की भ्रष्ट और निकम्मी सरकार को जल्दी बर्खास्त कर दीजिए। यह हमारी आपके माध्यम से सरकार से मांग है। **â€¦(व्यवधान)**

अध्यक्ष महोदय : बैठिए। रघुनाथ सिंह शाक्य, कुंवर अखिलेश सिंह और रामजीलाल सुमन इन लोगों ने मुझे नोटिस दे दिए थे। इस विषय पर चर्चा हुई है। इस विषय

पर मैंने आपके नोटिसेज रिजेक्ट कर दिये हैं।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, अब आप बैठिए।

â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : प्रभुनाथ सिंह जी, आप बैठिए। मैं आपको ज्यादा समय नहीं दे सकता हूँ।

â€¦ (व्यवधान)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमने इतना गंभीर सवाल उठाया है। हम चाहेंगे कि सरकार इस पर रैस्पांस ले और सदन को आश्वस्त करे कि ऐसे मामलों में केन्द्र सरकार या तो इसकी जांच कराएगी या इस पर कोई कार्रवाई करेगी।â€¦ (व्यवधान) यह हम निवेदन करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमारी बँत भी सुनी जाए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Dr. Raghuvansh Prasad Singh is on a point of order.

...(Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : जो सवाल इन्होंने उठाया है, हम जांच को तैयार हैं।â€¦ (व्यवधान) भारत सरकार के मंत्री और एनडीए के यहां अपराधी गिरोह पल रहा है।â€¦ (व्यवधान) ये राज्य सरकार को बदनाम कर रहे हैं।â€¦ (व्यवधान) राज्य सरकार को बदनाम कराने के लिए एनडीए के लोगों ने अपराधी गिरोह पाल रखे हैं जिनसे वे अपहरण कराते हैं, अपराध कराते हैं और हत्या कराते हैं।â€¦ (व्यवधान) इसकी जांच-पड़ताल की जाए।â€¦ (व्यवधान) मैं गृह मंत्री को चुनौती देता हूँ कि जांच पड़ताल करवाकर सब बँतों को सदन के पटल पर रखें। इनका एमएलए, मिनिस्टर सब अपराधी हैं और अपराध को संरक्षण देते हैं।â€¦ (व्यवधान) अपराधियों का गिरोह पाल रखा है और योजनावद्ध तरीके से राज्य सरकार को बदनाम करा रहे हैं। इसीलिए हम जांच के लिए तैयार हैं।â€¦ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैंने आपको सुन लिया है। अब आप बैठ जाइए।

â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: There were other notices on adjournment motion also.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: There were other notices on adjournment motion also about utilisation of MPLAD Fund, etc. On this I have already given a ruling yesterday and also day before yesterday. Therefore these notices cannot be accepted. Now, I allow Shrimati Margaret Alva to make her submission on the issue of women.

...(Interruptions)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, हमारी बँत भी सुनिए।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already given the ruling on that issue.

...(Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आपने परमिशन मांगी है। मैंने परमिशन नहीं दी है। दो बार दो दिन यह विाय आया। मैंने परमिशन नहीं दी। मैंने कहा कि यह विाय एडजर्नमेंट मोशन में नहीं होता है। वही विाय फिर आया है तो मैं कैसे परमिशन दे सकता हूँ?

â€¦ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, उत्तर प्रदेश के अंदर संविधान की धज्जियां उड़ा दी गई हैं। संविधान का मजाक हुआ है। अध्यक्ष महोदय, यह बहुत गंभीर सवाल है।â€¦ (व्यवधान)

MR. SPEAKER: If the hon. Minister wants to react on the issue raised by Shri Prabhunath Singh, he can do so.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: You have already spoken on this.

...(Interruptions)

MR. SPEAKER: Everyday, I cannot give a ruling on the same issue. I have already given the ruling twice and I told that this could not be a matter of discussion now.

...(Interruptions)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, यह सांसदों के अपमान का मामला है और जब तक उसका निराकरण नहीं होगा, हम बार-बार इस मामले को उठाएंगे। आपसे विनम्रता पूर्वक आग्रह करना चाहते हैं कि जब तक इसका निराकरण नहीं होगा, हम मामले को उठाते रहेंगे। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : मैं निर्णय लूंगा और मैंने निर्णय ले लिया है।

(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I cannot accept this. Please sit down.

...(Interruptions)

कुंवर अखिलेश सिंह : हमें एलाउ कर दीजिए। यह बहुत गंभीर सवाल है। (व्यवधान) यह सम्पूर्ण लोक तंत्र का अपमान हो रहा है। इन सांसदों का अपमान हो रहा है और इसका निराकरण जब तक नहीं करेंगे, मैं आज ही भूख हड़ताल पर यहां बैदूंगा। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उसकी जरूरत नहीं है। मैं आपको बता देता हूं। बैठिए। अन्याय का निवारण करने के लिए इस सदन में कुछ पद्धति है।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : रामजीलाल सुमन जी और अखिलेश जी ने जो नोटिस दिये हैं, मैं उसके ऊपर बोल रहा हूं। इसीलिए बोल रहा हूं क्योंकि यह विषय महत्वपूर्ण है। विषय गंभीर है। इसका कुछ तरीका है। आप तो जानते हैं कि इस विषय पर जब चर्चा हुई थी तो शिवराज पाटील जी ने कहा था कि इस विषय पर स्ट्रक्चरल डिबेट होने की जरूरत है। मैंने कहा कि स्ट्रक्चरल डिबेट के लिए यदि बीएसी की कमेटी मानेगी तो मैं डिबेट देने के लिए तैयार हूं। अब यह विषय इसी माध्यम से उठाने का प्रयास करेंगे तो आप जानते हैं कि इस विषय पर दो बार मैंने निर्णय दिया है और दो बार कहा कि यह विषय एडजर्नमेंट मोशन का विषय नहीं है।

आप सचमुच इसी विषय में जाना चाहते हो तो आप इस विषय के पक्ष में हैं या विरोध में हैं यह मेरा प्रश्न नहीं है। सदन के नियमों के अनुसार यह प्रश्न स्ट्रक्चरल डिस्कशन द्वारा उठा सकते हैं। बीएसी में यह विषय आया था लेकिन वहां सब एकमत नहीं थे। मैंने कहा कि इस बारे में एक बार फिर बैठ सकते हैं और इस विषय पर अगले हफ्ते चर्चा कर सकते हैं। विषय सभी को मालूम है। दो-तीन बार आप लोगों ने इस विषय पर चर्चा की है। मैं इतना ही चाहता हूं कि नियमों के अनुसार जब चाहें यह विषय यहां ला सकते हैं और मैं आपको इजाजत देने के लिए तैयार हूं लेकिन यह कैसे हो सकता है कि इस विषय पर केवल दो मैम्बर्स अपनी बेंच कहें और पूरे हाउस का काम रोकें, यह अच्छा नहीं लगता है। आप यह विषय उठाना चाहते हैं तो मैं आपसे बिल्कुल सहमत हूं। मैं डिवाइस बताने के लिए तैयार हूं लेकिन वह चर्चा कौन से डिवाइस से आ सकती है, उस डिवाइस का उपयोग करना आपके ऊपर है। इसके ऊपर यह कहूंगा कि आप यह न करो, मैं इससे ज्यादा क्या कर सकता हूं। Let me resolve the issue.

...(Interruptions)

कुंवर अखिलेश सिंह : अध्यक्ष महोदय, संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि योजना का जो विषय है (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: यह विषय सब को मालूम है। मैं उस विषय पर बोलने की इजाजत नहीं दूंगा। आप कौन सी चर्चा चाहते हैं, यह बताएं। यह ठीक बेंच नहीं है। आप अपनी जगह पर जाएं।

(व्यवधान)

12.41 hrs.

(At this stage Kunwar Akhilesh Singh and some other members came and sat on the floor of the House)

अध्यक्ष महोदय: शरद यादव जी, आप प्रभुनाथ जी के प्रश्न का उत्तर दीजिए।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: श्री शरद यादव जो कुछ कहेंगे, वही रिकॉर्ड में जाएगा। बाकी कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा।

...(व्यवधान).. ।

*** Not Recorded**

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, गलत परम्परा नहीं चलेगी। कई माननीय सदस्य धरने पर बैठे हैं। ऐसे में हाउस की कार्यवाही कैसे चलेगी? (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: सब लोग चाहते हैं इसलिए चलेगी।

(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: रघुवंश जी, आप जैसा कहेंगे, वैसे हाउस नहीं चलेगा। यह बात ध्यान में रखनी चाहिए।

(व्यवधान)

उपमोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री (श्री शरद यादव) : अध्यक्ष महोदय, जो सवाल प्रभुनाथ सिंह जी और उनके सहयोगियों ने उठाया है, मैं उनको और उनकी भावनाओं को गृह मंत्री के पास पहुंचाने का काम करूंगा। (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह :अध्यक्ष महोदय, ऐसे सदन की कार्यवाही नहीं चलेगी। ठंँ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: आप लोगों ने मुझे हाउस चलाने का अधिकार दिया है। मुझे हाउस चलाने दीजिए। I will run the House.

ठंँ (व्यवधान)

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष महोदय, कल आपने व्यवस्था दी थी। यह संसद की प्रतिठा और गरिमा का सवाल है। यह बात सही है कि कल कार्य मंत्रणा समिति में यह सवाल तय नहीं हो पाया। उत्तर प्रदेश में संवैधानिक संकट भी है। वहां लोकतंत्र की हत्या हो रही है। ठंँ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: सुयोग्य पद्धति के साथ सदन में आएंगे तो मैं आपको उस समय इजाजत दे सकता हूं। यदि आप चर्चा चाहते हैं तो चर्चा कीजिए लेकिन इस पद्धति से चर्चा नहीं हो सकती है।

ठंँ (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय: मैं एक बार फिर विनती करता हूं कि नियमों के अनुसार आप चर्चा करवा सकते हैं और मैं चर्चा के लिए इजाजत देने को तैयार हूं लेकिन यदि आप चर्चा नहीं करते हैं तो मैं क्या कर सकता हूं। मुझे हाउस चलाना है। I will now take up the 'Zero Hour'.

ठंँ (व्यवधान)

12.45 hrs.